

## Report on a Webinar

# **WOMEN: INDIAN AND GLOBAL CONTEXT**

Jointly Organized by

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY

&

SHRI MURLI MANOHAR TOWN POST GRADUATE COLLEGE, BALLIA

**On 31.08.2020**

The women cell of JNCU, Ballia and SMM town PG College Ballia jointly organized a webinar on the topic, Women: Indian and Global Context. The following dignitaries glorified the event by their gracious presence and invaluable speeches:

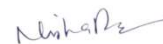
1. Prof. Kalplata Pandey, Vice Chancellor, JNCU, Ballia- Patron
2. Prof. Prithvish Nag, Ex Vice Chancellor, MGKVP, Varanasi- Chief Speaker
3. Prof. Nirmala S. Maurya, Vice Chancellor, VBS Purvanchal University, Jaunpur- Keynote Speaker
4. Prof. Chandrakala Padiya, Ex Vice Chancellor, Maharaja Ganga Singh University, Bikaner- Special Speaker
5. Dr Nisha Raghava- Coordinator, Women Cell, Organizing Secretary

Prof. Nirmala S. Maurya expressed her deep concern over marginalization of the half population in her keynote address. Prof Prithvish Nag spoke on the topic, 'Woman in Indian Culture: Past, Present and Future'. He focused on the issue that despite the significant contribution of women in all walks of life worldwide, the male-dominating society is not acknowledging it.

Prof. Chandrakala Padiya expressed her views on the dignity of women in present time. She specified the specific values of Indian women in relation to the western women.

Prof. Kalplata Pandey summarized the various issues addressed by the speakers.

Dr Nisha Raghav and Dr R. K. Upadhyaya coordinated the program. Dr Mamta Verma, Dr Udai Paswan, Ms Sandhya Pandey, Dr Anil Kumar, Dr Dayalanand Roy etc. were present in the webinar.



**Dr. Nisha Raghav**  
**Coordinator, Women Cell**  
**JNCU & S.M.M.Town PG College, Ballia**

## महिलाओं के कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं दे रहा समाज

- जनसंवाद संश्लेषक सुनिर्मली श्री महिला प्रकोष्ठ की ओर से कार्यक्रम आयोजित
- दुनिया में नारियों की गरिमा को बहाल करने की जरूरत पर हुआ संघर्ष

दीपक संवाददाता

जनसंवाद संश्लेषक सुनिर्मली श्री महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'नारी: भारतीय एवं वैश्विक संदर्भ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो पृथ्वीश नाग 'भारतीय संस्कृति में नारी: कला, आज और कल' विषय पर अपने विचार रखे। अद्यतन आंकड़ों और तथ्यों के हवाले से उन्होंने बताया कि दुनिया भर की महिलाएँ अपने कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं दे रहा समाज।



विश्वविद्यालय के संश्लेषक सुनिर्मली श्री महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'नारी: भारतीय एवं वैश्विक संदर्भ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो पृथ्वीश नाग 'भारतीय संस्कृति में नारी: कला, आज और कल' विषय पर अपने विचार रखे। अद्यतन आंकड़ों और तथ्यों के हवाले से उन्होंने बताया कि दुनिया भर की महिलाएँ अपने कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं दे रहा समाज।



## विश्व में नारियों का रहा गौरवशाली इतिहास: प्रो निर्मला एस

BY BALLIA AJKAL — September 1, 2020



SHARES

**रोशन जायसवाल**

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'नारी: भारतीय एवं वैश्विक संदर्भ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के आरम्भ में पूर्वोच्चल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो निर्मला एस. मौर्य ने बीज- वक्तव्य दिया। अपने वक्तव्य में उन्होंने आधी आबादी को हाशिए पर धकेले जाने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में नारियों का गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसे सँजोते हुए पुनः नारियों की गरिमा को बहाल करने की ज़रूरत है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महात्मा गांधी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो पृथ्वीश नाग 'भारतीय संस्कृति में नारी: कला, आज और कल' विषय पर अपने विचार रखे। अद्यतन आंकड़ों और तथ्यों के हवाले से उन्होंने बताया कि दुनिया भर की महिलाएँ